

सम्पादकीय



एडवोकेट

हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

उच्च शिक्षा का बंटधार: डिग्री की दुकानें, ज्ञान का अकाल

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यह केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र, विचार, व्यक्तित्व और सामाजिक चेतना का निर्माण करती है। किसी देश की विश्वविद्यालय व्यवस्था जितनी मजबूत होती है, उसका भविष्य उतना ही उज्ज्वल होता है। दुर्भाग्य से आज उच्च शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ ज्ञान की अपेक्षा डिग्री, अध्ययन की अपेक्षा औपचारिकता और शिक्षण की अपेक्षा शुल्क वसूली को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। यह स्थिति केवल विद्यार्थियों के भविष्य के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। आज अनेक निजी महाविद्यालयों में शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास नहीं, बल्कि प्रवेश से लेकर परीक्षा तक विभिन्न मर्दों में शुल्क वसूलना बन गया है। प्रवेश शुल्क, परीक्षा शुल्क, प्रैक्टिकल शुल्क, यूनिफॉर्म, फिट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सेमिनार और अन्य नामों से लगातार आर्थिक बोझ बढ़ाया जाता है। शिक्षा का मंदिर धीरे-धीरे व्यवसायिक प्रतिष्ठान में बदलता दिखाई देता है।

विद्यालय स्तर तक अधिकांश विद्यार्थी नियमित अध्ययन करते हैं। शिक्षक और छात्र के बीच संवाद होता है, कक्षाएँ चलती हैं और अनुशासन भी दिखाई देता है। लेकिन जैसे ही विद्यार्थी कॉलेज पहुँचता है, उसे एक बिचकूल अलग व्यवस्था का सामना करना पड़ता है। अनेक संस्थानों में नियमित कक्षाएँ नाममात्र की होती हैं। विद्यार्थी केवल प्रवेश लेने, फीस जमा कराने, परीक्षा फॉर्म भरने और अंत में परीक्षा देने के लिए कॉलेज आता है। पूरे सत्र में ज्ञानार्जन की प्रक्रिया लगभग गायब रहती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई महाविद्यालयों में ब्लैकबोर्ड, प्रयोगशालाएँ और पुस्तकालय केवल निरीक्षण के समय दिखावे की वस्तु बनकर रह गए हैं। अनेक विद्यार्थियों का कहना है कि पूरे सत्र में किसी विषय की नियमित पढ़ाई नहीं होती। परीक्षा से पहले 'वन वीक सीरीज', पासबुक या संभावित प्रश्नों के सहारे परीक्षा की तैयारी करवाई जाती है। परिणाम यह होता है कि छात्र डिग्री तो प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन उनके पास विषय का व्यावहारिक ज्ञान नहीं होता। शिक्षा का यह स्वरूप देश के लिए गंभीर संकट का संकेत है। आज हजारों स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के क्षेत्र में इसलिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि उनकी डिग्री में ज्ञान की गहराई नहीं है। कागज पर वे शिक्षित हैं, लेकिन व्यवहारिक जीवन में उन्हें फिर से प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है। एक और गंभीर समस्या निजी महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की स्थिति है। अनेक स्थानों पर योग्य शिक्षकों को अत्यंत कम वेतन दिया जाता है। ऐसे शिक्षक आर्थिक असुरक्षा के कारण न तो पूरी निष्ठा से शोध कर पाते हैं और न ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षण दे पाते हैं। शिक्षा का स्तर तभी सुधरेगा जब शिक्षक सम्मानजनक वेतन, स्वतंत्र शैक्षणिक वातावरण और शोध के अवसर प्राप्त करेंगे।

आज कई संस्थानों में शिक्षकों की भूमिका भी सीमित होकर प्रशासनिक कार्यों, प्रवेश अभियान और फीस वसूली तक रह गई है। शिक्षा के मूल उद्देश्य-ज्ञान, शोध, चिंतन और व्यक्तित्व निर्माण-पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। यह प्रवृत्ति उच्च शिक्षा की गरिमा के विनाश के लिए खतरा है। बुनियादी सुविधाओं का अभाव भी चिंता का विषय है। ऐसे अनेक महाविद्यालय हैं जहाँ शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय, समुचित पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ और खेल सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं। दूसरी ओर विज्ञानों और प्रचार सामग्री में आधुनिक परिसर, स्मार्ट क्लास और उन्नत सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। यदि वास्तविक स्थिति और प्रचार में इतना अंतर है तो यह विद्यार्थियों के साथ अन्याय है। इस पूरी व्यवस्था में नियामक संस्थाओं की भूमिका पर भी प्रश्न उठते हैं। यदि किसी महाविद्यालय में आवश्यक संसाधन, योग्य शिक्षक और शैक्षणिक वातावरण नहीं है, तो उसे मान्यता कैसे मिल जाती है? निरीक्षण केवल औपचारिकता बन जाए तो शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। इसलिए निरीक्षण व्यवस्था को पारदर्शी, तकनीकी और जवाबदेह बनाना समय की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण, बहुआयामी और कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करना है। लेकिन यदि धरातल पर कक्षाएँ ही नियमित नहीं चलेंगी, प्रयोगशालाएँ निष्क्रिय रहेंगी और विद्यार्थी केवल परीक्षा के समय कॉलेज आएंगे, तो नीति के लक्ष्य अधूरे रह जाएंगे। उच्च शिक्षा को केवल परीक्षा और प्रमाणपत्र तक सीमित नहीं रखा जा सकता। महाविद्यालयों में वाद-विवाद, साहित्यिक गतिविधियाँ, विज्ञान प्रयोग, शोध परियोजनाएँ, खेल, सामाजिक सेवा और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम नियमित होने चाहिए। यही गतिविधियाँ विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाती हैं। सरकार, विश्वविद्यालयों और नियामक संस्थाओं को मिलकर कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। प्रत्येक महाविद्यालय में न्यूनतम शिक्षण दिवस सुनिश्चित किए जाएँ। शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति की डिजिटल निगरानी हो। आधारभूत सुविधाओं का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए। फर्जी प्रचार और अनावश्यक शुल्क वसूली पर कठोर कार्रवाई हो। साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाले संस्थानों को प्रोत्साहन भी दिया जाए। यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि सभी निजी महाविद्यालय एक जैसे नहीं हैं। देश में अनेक निजी और सरकारी संस्थान उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, जहाँ विद्यार्थी विश्वस्तरीय शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसलिए उद्देश्य किसी संस्था विशेष की आलोचना नहीं, बल्कि उन कमियों की ओर ध्यान आकर्षित करना है जो उच्च शिक्षा की विश्वसनीयता को कमजोर कर रही हैं।

अंततः शिक्षा का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक, कौशल और चरित्र का विकास है। यदि महाविद्यालय केवल प्रमाणपत्र बॉटने के केंद्र बन जाएँ, तो समाज को शिक्षित नहीं, केवल डिग्रीधारी बेरोजगार मिलेंगे। समय की मांग है कि उच्च शिक्षा को व्यापार नहीं, राष्ट्र निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम माना जाए। क्योंकि मजबूत विश्वविद्यालय ही मजबूत समाज और मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं।

पेपर-लीक के विरोध में जयपुर में NSUI का पैदल मार्च डोटासरा टीकाराम जूली समेत कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार को घेरा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । NEET पेपर लीक और राजस्थान समेत देशभर में भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में मंगलवार शाम राजधानी जयपुर में NSUI ने छात्रों की गुंज अभियान के तहत पैदल विरोध मार्च निकाला। गुर्जर की थड़ी चौराहे से शुरू हुआ यह मार्च त्रिवेणी नगर चौराहे तक पहुँचा। मार्च में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, हर्षद के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, कांग्रेस विधायक रफीक खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस और NSUI कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और छात्रों की अलग-अलग मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया गया। पैदल मार्च के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देशभर में छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।



उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सत्ता में आने से पहले युवाओं और छात्रों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के कारण लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। जूली ने कहा कि छात्रों की समस्याओं की समाधान और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर यह पैदल मार्च निकाला

सुहेटा आंगनवाड़ी भवन जर्जर, विधायक ललित यादव ने लिया संज्ञान, बच्चों की सुरक्षा को लेकर जताई गंभीर चिंता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद्र । ग्राम सुहेटा में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र की जर्जर हालत को लेकर विधायक ललित यादव ने मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भवन की स्थिति अत्यंत खस्ताहाल पाई गई। दीवारों से प्लास्टर उखड़ा हुआ था और कई जगह दरारें व क्षति साफ दिखाई दे रही थी, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने का अंदेश है। विधायक ने कहा कि बरसात के मौसम में इस तरह के जर्जर भवन में छोटे बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का बैठना बेहद जोखिम भरा है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते मरम्मत या नए भवन का निर्माण नहीं कराया गया तो यह बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। बच्चों के भविष्य और सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दौरान विधायक ललित यादव ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर ही शिकायत सौंपकर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन से आंगनवाड़ी के लिए सुरक्षित और उपयुक्त भवन उपलब्ध कराने की मांग की। ग्रामीणों ने भी भवन की जर्जर स्थिति से अवगत कराते हुए जल्द समाधान की मांग रखी। विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर उठाकर समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाएगा।



जय पहाड़ी बहुजन एकता सम्मेलन के लिए जनसंपर्क अभियान तेज, गांव-गांव पहुंच रहे कार्यकर्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनू।

झुंझुनू जिले के ग्राम जय पहाड़ी में 18 जुलाई को आयोजित होने वाले विशाल बहुजन एकता सम्मेलन को लेकर जनसंपर्क अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को झुंझुनू शहर सहित पूरा की ढाणी, उदावास, अंबेडकर नगर, सोती, बुडाना, कासिमपुरा और मालीगांव में घर-घर जाकर लोगों को सम्मेलन का निर्मग्न दिया गया तथा अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई। कार्यक्रम संयोजक विकास आल्टा ने बताया कि सम्मेलन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों का साझा मंच होगा। सम्मेलन में संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय, शिक्षा, बाना के भरोसा दिलाया। आयोजकों ने जिले के सभी सामाजिक, धार्मिक और जनहित से जुड़े संगठनों सहित संविधान एवं सामाजिक न्याय में विश्वास रखने वाले नागरिकों से सम्मेलन में अधिकाधिक भागीदारी की अपील की। जनसंपर्क अभियान में रामानंद आर्य, बद्री प्रसाद गौरा, सतवीर वरवड़, महेंद्र सिंह चारवासा, कमलेश काला, राजकुमार बोयल, खलील बुडाना, उप सरपंच आजाद बुडाना, बी.एल. बोह्र, धर्मपाल शीला, डॉ. संपत बारूपाल, सुभाष डिगवाल, एडवोकेट सत्यपाल रसकरण, एडवोकेट राकेश सबलानिया, एडवोकेट धर्मपाल बंसीवाल, एडवोकेट शीशराम सैनी, आकाश आल्टा, सुनील बुडाना, बिरजू, मनोहर लाल बाकोलिया, विकी जाजोरिया, च्यारे लाल बाकोलिया सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहें।



दादी बनीं पालनहार, ग्रामीण सेवा शिविर ने प्रियांश के भविष्य को दी नई दिशा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राज्य सरकार के 'ग्रामीण सेवा शिविर - जनसेवा से जनविश्वास की ओर' अभियान के तहत पंचायत समिति मंडावा की ग्राम पंचायत अजीतनगर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर एक सहाय्य बालक के जीवन में नई उम्मीद लेकर आया। शिविर के दौरान पिता के निधन और मां के छोड़कर चले जाने के बाद बेसहारा हुए प्रियांश के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए उसकी दादी बबिता पत्नी विजय रावत को विधिवत पालनहार के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई। शिविर में मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों ने सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन किया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद दादी बबिता को प्रियांश का पालनहार घोषित करते हुए स्वीकृति आदेश सौंपे गए। इस निर्णय से अब प्रियांश को कानूनी संरक्षण मिलने के साथ-साथ राज्य सरकार की विभिन्न शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी मिल सकेगा। यह पहल ग्रामीण सेवा शिविरों की संवेदनशील कार्यप्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण बनी, जहां प्रशासन ने केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहकर एक मासूम के सुरक्षित भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया।



शिविर में क्या हुआ ?

प्रियांश के मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन किया गया। नियमानुसार प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उसकी दादी बबिता पत्नी विजय रावत को पालनहार के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति आदेश मौके पर ही जारी कर परिवार को सौंपे गए।

इस स्वीकृति से होगा बहुत लाभ

प्रियांश को कानूनी संरक्षण एवं अधिकारों की सुरक्षा मिलेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं भविष्य से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा। दादी के संरक्षण में सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन का मार्ग प्रशस्त होगा। बालक को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया पूर्ण होने से भविष्य अधिक सुरक्षित बनेगा।

लक्ष्मणगढ़ के रचित ने 19 हजार फीट से अधिक ऊंचे उमलिंगला पास तक किया साहसिक अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ के मूल निवासी एवं वर्तमान में जयपुर निवासी रचित जागिड़ ने हिमालय की दुर्गम चोटियों पर सफल साहसिक अभियान पूरा कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम से प्रेरित होकर शेखावाटी और जयपुर के युवाओं के एक दल ने 3 से 14 जुलाई तक हिमाचल, लेह-ल्हाख और कश्मीर की 10 दिवसीय साहसिक यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। दल ने अटल टनल, ज़िप्पा, चांगला पास, लेह, फौगों लेक, नुब्रा वैली, त्सो मोरारी, हानले, खारदुंगला पास, कारगिल और जीजिला दर्रे सहित कई दुर्गम एवं जोखिम भरे मार्गों को पार करते हुए

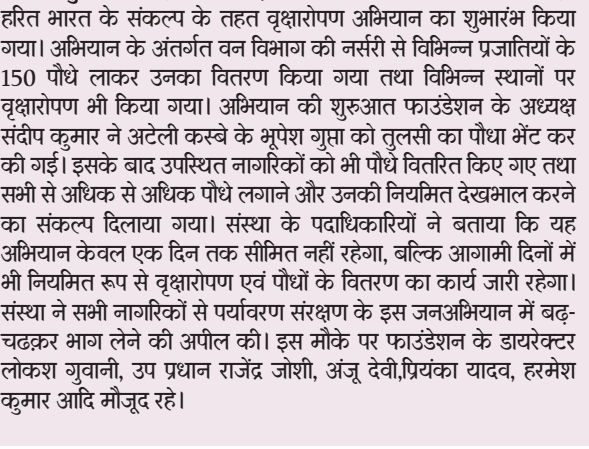


विश्व के सबसे ऊंचे मोटेरेबल दर्रे उमलिंगला पास (19 हजार फीट से अधिक) तक पहुंचकर साहस का परिचय दिया। अभियान दल में रचित जागिड़ के साथ जयपुर के अनिल ढींगड़ा, बलराज ढींगड़ा और दीपू कुमावत शामिल रहे। अभियान के लीडर अनिल ढींगड़ा ने बताया कि उमलिंगला पास पर ऑक्सीजन की कमी जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन भारतीय सेना, आईटीबीपी और बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (BRO) के सहयोग से अभियान सफल रहा। यात्रा के समापन पर जयपुर में साहसिक अभियानों के अग्रणी अजय जागिड़ ने बताया कि उनका संगठन पिछले एक दशक से युवाओं को हिमालय की दुर्गम चोटियों और ट्रेकिंग स्थलों पर साहसिक अभियानों के लिए प्रेरित कर रहा है। इनमें फ्रेंडशिप पीक, भृगु लेक, चंद्रखनी पास, सार पास, केदारकांठा, नंदा देवी बेस कैम्प और लेह-ल्हाख जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं।

डीएल डार्क लाइट फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण अभियान के तहत 150 पौधों का वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । डीएल डार्क लाइट फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के संकल्प के तहत वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत वन विभाग की नर्सरी से विभिन्न प्रजातियों के 150 पौधे लाकर उनका वितरण किया गया तथा विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण भी किया गया। अभियान की शुरुआत फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप कुमार ने अटेली कस्बे के भूपेश गुप्ता को तुलसी का पौधा भेंट कर की गई। इसके बाद उपस्थित नागरिकों को भी पौधे वितरित किए गए तथा सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगामी दिनों में भी नियमित रूप से वृक्षारोपण एवं पौधों के वितरण का कार्य जारी रहेगा। संस्था ने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के इस जनअभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस मौके पर फाउंडेशन के डायरेक्टर लोकेश गुवाणी, उप प्रधान राजेंद्र जोशी, अंजू देवी, प्रियंका यादव, हरमेश कुमार आदि मौजूद रहे।





बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइमर काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉई हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर -

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि

वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वेल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइमर काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइमर

जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल

टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्रत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भर माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दें। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एम्प्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।



हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं हैं और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

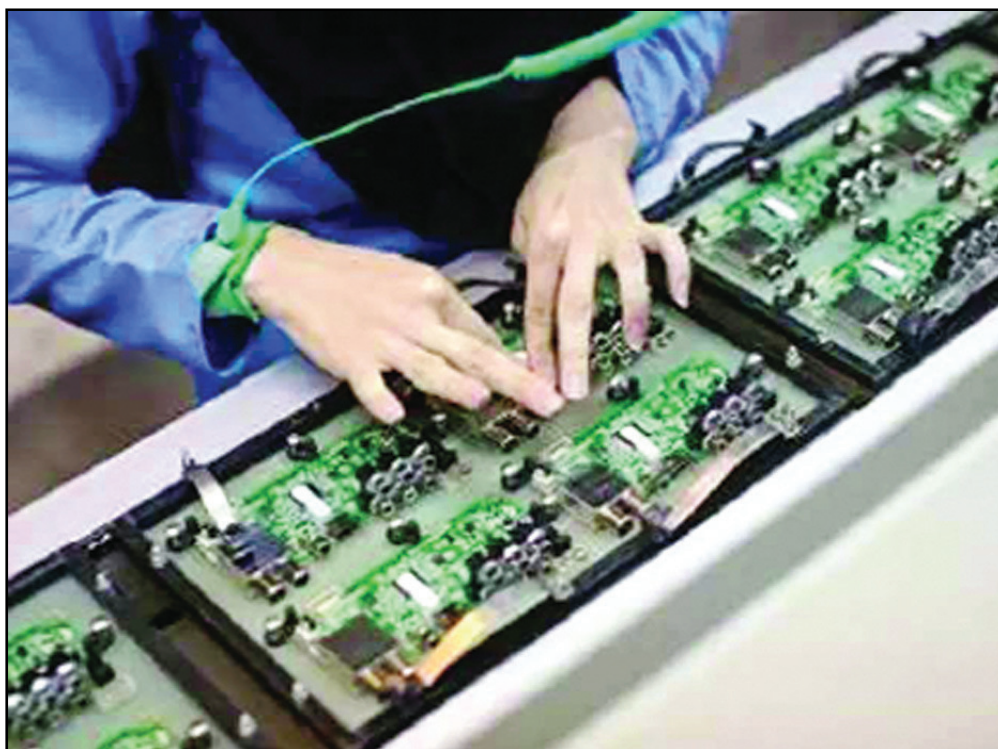
जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशियन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्योरिटी

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से

आज थायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारु रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अवसर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रोफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।



स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग युनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंफ्लायोज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंटी लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंटरनेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रोफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंटी लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तक कि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही।

दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होता है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।



भीम प्रज्ञा की खबर का असर: सरकारी जोहड़ भूमि से हटा शराब ठेका, हाईवे पर अब भी नियम विरुद्ध संचालित कई दुकानों पर सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.पंचेरी/झुंझुनूं।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर नियमों की अनदेखी करते हुए संचालित शराब की दुकानों को लेकर दैनिक भीम प्रज्ञा द्वारा प्रकाशित खोजी खबर का असर दिखाई देने लगा है। समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने अलीपुर-रामसर के समीप सरकारी जोहड़ भूमि पर संचालित एक शराब ठेके को हटाकर अन्य स्थान पर स्थानांतरित कर दिया। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कार्रवाई केवल एक दुकान तक सीमित रही, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई अन्य शराब दुकानें अब भी नियमों के विपरीत संचालित हो रही हैं।

एक कार्रवाई के बाद भी अधूरी रही मुहिम, पंचेरी बॉर्डर से चिड़ावा तक सड़क किनारे संचालित शराब ठेकों पर कार्रवाई की मांग तेज

एक कार्रवाई, लेकिन कई सवाल अब भी बाकी

20 जून 2026 के अंक में प्रकाशित गाउंट रिपोर्ट में फतेहपुर-रेवाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंचेरी बॉर्डर, पंचेरी खुर्द, झूमोली खुर्द, मुरादपुर, भोदन, सिंधाना, मोई, गाड़ा खेड़ा, लाखू और चिड़ावा तक संचालित शराब दुकानों की स्थिति उजागर की गई थी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि कई दुकानों का संचालन स्वीकृत स्थल से हटाकर सड़क किनारे किया जा रहा है।



हाईवे से दूरी के नियमों पर उठे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि न्यायालयों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के निकट शराब दुकानों के संचालन एवं सड़क किनारे उनके संकेतक और विज्ञापन बोर्ड लगाने पर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद कई स्थानों पर सड़क के बिल्कुल समीप दुकानें और बड़े-बड़े बोर्ड दिखाई देते हैं। लोगों का आरोप है कि इन निर्देशों का पालन प्रभावी रूप से नहीं कराया जा रहा।

विभागीय कार्रवाई पर उठे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतें किए जाने के बावजूद अधिकांश मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। उनका आरोप है कि यदि एक दुकान हटाई जा सकती है तो अन्य नियमविरुद्ध संचालित दुकानों के विरुद्ध भी समान कार्रवाई होनी चाहिए। लोगों ने आबकारी विभाग से पूरे मार्ग का संयुक्त निरीक्षण कर नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने की मांग की है।

स्वीकृत स्थान खाली, अस्थायी दुकानों में कारोबार

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिन स्थानों पर आबकारी विभाग ने शराब दुकानों का आवंटन किया था, वे स्थान आज भी खाली या बंद पड़े हैं, जबकि वास्तविक बिक्री ट्रेन की पुरानी बोगियों अथवा अस्थायी ढांचों में सड़क किनारे की जा रही है। इससे नियमों की पारदर्शिता और विभागीय निगरानी पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं।

देर रात तक बिक्री और बढ़ रही सामाजिक चिंता

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कई शराब दुकानें निर्धारित समय के बाद भी देर रात तक खुली रहती हैं। देर रात होने वाली भीड़ से आसपास के गांवों के लोगों, विशेषकर महिलाओं और किसानों को खेतों तथा घरों तक आने-जाने में असुविधा का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि ऐसी स्थिति सामाजिक वातावरण और कानून-व्यवस्था दोनों के लिए चुनौती बन सकती है।

जनहित में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर संचालित सभी शराब दुकानों की वास्तविक स्थिति का सर्वे कराया जाए, स्वीकृत स्थानों का सत्यापन किया जाए तथा जहां कहीं भी नियमों का उल्लंघन पाया जाए, वहां निष्पक्ष एवं समान कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि कानून का पालन सभी पर समान रूप से होना चाहिए और जनहित सर्वोपरि रहना चाहिए।

चिड़ावा के नवपदस्थ अधिशासी अधिकारी गौतम शर्मा ने संभाली कमान

कार्यभार संभालते ही एसडीएम किरण पाल से की शिष्टाचार मुलाकात, शहर की सफाई, रोथनी और विकास के मुद्दों पर हुआ महान् मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

नगरपालिका चिड़ावा के नवनियुक्त अधिशासी अधिकारी गौतम शर्मा ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही अपनी प्रशासनिक सूझबूझ और दूरदर्शी सोच का परिचय दिया है। अधिशासी अधिकारी गौतम शर्मा ने चिड़ावा उपखण्ड अधिकारी (एसडीएम) किरण पाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दीं, वहीं एसडीएम किरण पाल ने भी गौतम शर्मा का चिड़ावा आगमन पर गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें नए कार्यकाल की बधाई दी। प्रशासनिक गतिधारा में अधिशासी अधिकारी गौतम शर्मा के इस कदम की खासी सराहना हो रही है। जानकारों का मानना है कि एक सफल और दूरदर्शी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान यही होती है कि वह नई जिम्मेदारी संभालते ही सबसे पहले अपने आला अधिकारियों से समन्वय स्थापित करे। गौतम शर्मा ने इस स्वस्थ परंपरा का निर्वहन करते हुए न केवल उच्चाधिकारियों से मुलाकात की, बल्कि चिड़ावा के जमीनी हालातों और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को समझने की दिशा में तुरंत कदम बढ़ा दिए हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान अधिशासी अधिकारी गौतम शर्मा ने चिड़ावा शहर के विकास का खाका खींचते हुए कई अहम मुद्दों पर एसडीएम के साथ विस्तार से चर्चा की जिसमें मुख्य रूप से शहर को साफ-सुथरा और कचरा मुक्त बनाने के लिए विशेष रणनीति, मुख्य मार्गों से लेकर बाड़ों की गलियों तक संचार प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करना, चिड़ावा में चल रहे विकास प्रोजेक्ट्स को समय सीमा में पूरा करना। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एक बेहतरीन अधिकारी वही है जो अपनी टीम और उच्च अधिकारियों के साथ मिलकर काम करे। अधिशासी अधिकारी गौतम शर्मा ने पहले ही दिन अपनी कार्यशैली से यह साबित कर दिया है कि वे चिड़ावा को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध हैं। अधिशासी अधिकारी गौतम शर्मा द्वारा कार्यभार संभालते ही दिखाई गई इस सक्रियता से चिड़ावा की जनता और पालिका प्रशासन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। स्थानीय लोगों को पूरी उम्मीद है कि गौतम शर्मा के कुशल नेतृत्व और अनुभव का सीधा लाभ चिड़ावा शहर को मिलेगा, जिससे आने वाले दिनों में यहां की नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।



प्रो. अरविंद वर्मा का स्थानांतरण निरस्त करने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.भरतपुर।

एमएसजे कॉलेज भरतपुर में राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक प्रो. अरविंद वर्मा के बांसवाड़ा स्थानांतरण को निरस्त करने की मांग को लेकर जाटव विकास समिति, ब्रजनगर भरतपुर ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि प्रो. अरविंद वर्मा की इच्छा के विरुद्ध उनका स्थानांतरण बांसवाड़ा कर दिया गया है। समिति ने मांग की कि इस स्थानांतरण को निरस्त कर उन्हें पुनः एमएसजे कॉलेज भरतपुर में ही पदस्थापित किया जाए। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रो. वर्मा लंबे समय से गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता, निशुल्क पाठशालाओं में शिक्षण तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं। उनके स्थानांतरण से विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और दलित समाज में गहरा रोष व्याप्त है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि

इससे पहले भी प्रो. वर्मा के छह बार स्थानांतरण किए जा चुके हैं। समिति ने इसे अनुचित बताते हुए तत्काल स्थानांतरण आदेश निरस्त करने की मांग की। इस अवसर पर दिनेश आदिवा, ताराचंद, अध्यक्ष सतीश कुमार, बच्चू सिंह वैद्य, किशोर लुहांसिया, हरमान सिंह, चरण सिंह, बच्चू सिंह फौजी, मोहन सिंह, मुकेश पिप्पल, योगेश कुमार, सूरज सिंह, नरेश कुमार, गजेंद्र सिंह, सुजान सिंह सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ मेहरड़ा से मिला ट्रस्ट का प्रतिनिधिमंडल 24 जुलाई को आयोजित शेखावाटी स्तरीय सावित्री बाई फुले अवार्ड समारोह का दिया निमंत्रण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

संतारा देवी आनंद कुमार बागड़ी मेमोरियल ट्रस्ट के प्रतिनिधि मंडल ने ट्रस्ट के संयोजक राजकुमार कम्मा के नेतृत्व में पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ रवि मेहरड़ा से उनके जयपुर स्थित निजी आवास पर मुलाकात कर ट्रस्ट की ओर से लक्ष्मणगढ़ के आनंद विला में 24 जुलाई शुक्रवार को आयोजित होने वाले संतारा देवी बागड़ी स्मृति शेखावाटी स्तरीय सावित्री बाई फुले अवार्ड व लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र की सैनी प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हेतु निमंत्रण पत्र देकर समारोह की गिरमा बढ़ाने हेतु आग्रह किया।

जिसे डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। इस अवसर पर महेंद्र कुमार माली, बाबूलाल सैनी भी मौजूद थे। इससे पूर्व ट्रस्ट के प्रतिनिधि

मंडल ने पूर्व प्राचार्य उच्च शिक्षा, शिक्षाविद डॉ शशि इन्दुलिया से उनके जयपुर स्थित निजी आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की।



राजस्थान विधानसभा के ‘अमृत महोत्सव’ में सम्मानित होंगे सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार, उपराष्ट्रपति के हाथों मिलेगा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

राजस्थान विधानसभा के गठन के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे ‘अमृत महोत्सव’ के तहत 15 जुलाई को जयपुर में होने वाले भव्य समापन समारोह में सूरजगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार को उनके लंबे विधायी और जनसेवा के योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व एवं वर्तमान विधायक भी शामिल होंगे। नगर कांग्रेस कमिटी सिंधाना के अध्यक्ष डीपी सैनी ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की ओर से विधायक श्रवण कुमार को आधिकारिक निमंत्रण एवं बधाई पत्र प्राप्त हो चुका है। दोपहर 4 बजे से 5:30 बजे तक आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में उन्हें विधानसभा में छह बार निर्वाचित होने और जनप्रतिनिधि के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

सरपंच से छह बार विधायक बनने तक का सफर

2 अक्टूबर 1954 को झुंझुनूं जिले की सूरजगढ़ तहसील के घरदू की ढाणी में जन्मे श्रवण कुमार ने राजनीति की शुरुआत गांव स्तर से की। उनके पिता स्वर्गीय गोकल राम और माता स्वर्गीय दाना देवी थीं। हायर सेकेंडरी तक शिक्षा प्राप्त करने वाले श्रवण कुमार वर्ष 1981 में पहली बार ग्राम पंचायत जीणी के सरपंच चुने गए और लगातार दो कार्यकाल तक इस पद पर रहे। इसके बाद वर्ष 1988 में वे सूरजगढ़ पंचायत समिति के उपप्रधान बने। गांव की सरकार से शुरू हुआ उनका सफर आगे चलकर राजस्थान विधानसभा तक पहुंचा।

जनसेवा की अमिट छाप छोड़ गए तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, स्थानांतरण पर युवाओं ने किया भावभीना सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा के तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर के स्थानांतरण पर स्थानीय युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भावभीना सम्मान समारोह आयोजित कर उनके उत्कृष्ट प्रशासनिक कार्यकाल को यादगार बनाया। इस अवसर पर डॉ. भास्कर का राधा-कृष्ण महाराज की तस्वीर भेंट कर तथा बालाजी महाराज का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने अपने कार्यकाल के दौरान जनसुनवाई, राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण, प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी सरल कार्यशैली, सहज व्यवहार और आमजन के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण ने उन्हें क्षेत्र की जनता के बीच एक लोकप्रिय एवं भरोसेमंद अधिकारी के रूप में स्थापित किया। उन्होंने प्रशासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय बनाकर अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक संपादित किया, जिन्हें लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी अमित मीणा ने कहा कि डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने सदैव निष्पक्षता, ईमानदारी और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए प्रशासन की गरिमा को बढ़ाया। उनका स्थानांतरण मंडावा के लिए एक भावनात्मक क्षण है, लेकिन विश्वास है कि वे अपने नए दायित्व में भी इसी समर्पण के साथ उत्कृष्ट सेवाएं देंगे। सम्मान समारोह में प्रवण पूनिया, अमित मीणा, विकास निर्मल, अभिषेक नायक, रोहित नायक, शक्ति नायक, सुमित नायक सहित बड़ी संख्या में युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. सुरेंद्र भास्कर के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह का वातावरण आत्मीयता, सम्मान और भावनात्मक अपनत्व से परिपूर्ण रहा।



ग्रामीण सेवा शिविर में बड़ी राहत: ग्राम दीनवा में श्मशान भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूरी, वर्षों पुरानी मांग पर बढ़ा समाधान का कदम

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राज्य सरकार के ग्रामीण सेवा शिविर अभियान के अंतर्गत अजीतगढ़ क्षेत्र में आयोजित शिविर के दौरान जनहित से जुड़े एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील मामले का त्वरित निस्तारण करते हुए ग्राम दीनवा में श्मशान भूमि आवंटन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है तथा उन्होंने राजस्व अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर के आदेश एवं कुशल निर्देशन में श्मशान भूमि आवंटन संबंधी कार्यवाही को प्राथमिकता देते हुए राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। तहसीलदार के निर्देशों की अनुपालना में भू-अभिलेख निरीक्षक मंजू ढाका, हल्का पटवारी एकता स्वामी तथा पटवारी धर्मेन्द्र मीणा ने संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण किया और नियमानुसार आवश्यक राजस्व प्रक्रिया पूरी की। राजस्व टीम ने मौके पर भूमि का निरीक्षण कर श्मशान भूमि आवंटन के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार किया तथा आगामी सक्षम स्तर की कार्रवाई के लिए उसे अंगोषित किया। पूरी प्रक्रिया को त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न किया गया, जिससे लंबे समय से लंबित जनसमस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन की तत्परता और



और संवेदनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। श्मशान भूमि आवंटन की प्रक्रिया आगे बढ़ने से ग्रामवासियों को भविष्य में अंतिम संस्कार जैसी आवश्यक व्यवस्था के लिए स्थायी सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कार्यवाही पूर्ण होने के बाद ग्राम दीनवा के ग्रामीणों ने राजस्व अधिकारियों एवं पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए राज्य सरकार के ग्रामीण सेवा शिविर अभियान की सराहना की। प्रशासन ने भी आवश्यक किया कि जनहित से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र एवं नियमानुसार निस्तारण किया जाता रहेगा।

आज 15 ग्राम पंचायतों में लगेंगे ग्रामीण सेवा शिविर, मौके पर होगा जनसमस्याओं का समाधान

पात्र ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का मिलेगा लाभ, प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर में पहुंचने की अपील की

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में ग्रामीणों को प्रशासनिक सेवाएं गांव स्तर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार 15 जुलाई को जिले की 15 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर अरविंद शर्मा ने बताया कि दौसा पंचायत समिति की नांगल छापा, बांदीकुई की नारायणपुरा, बसवा की गुल्लाना, सिकराय की राणोली एवं पाड़ली, महवा की केसरा एवं नौरंगवाड़ा, मंडावर की हिंणोटा एवं बावड़ीखेड़ा, लालसोट की खदुंवर एवं इन्दावा, नांगल राजावतान की आलूदा, रामगढ़ पंचवारा की भांवता, लवाण की सिंगवाड़ा तथा सैथल की तीतरवाड़ा कलां ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर मौके पर ही समाधान एवं सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

डॉ राजीव कुमार बने बाड़मेर के संयुक्तनिदेशक

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी/झुंझुनूं।

सुमेर मीणा । पशुपालन विभाग के वरिष्ठ एवं कर्मठ अधिकारी डॉ. राजीव रोहिल्ला को संयुक्तनिदेशक पद पर पदोन्नत किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। लगभग पाँच माह पूर्व ही वे डेयटी डायरेक्टर के रूप में प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में कार्यभार संभाला था और अब विभागीय पदोन्नति के तहत उन्हें संयुक्तनिदेशक के पद पर बाड़मेर नियुक्ति प्रदान की गई है। डॉ. रोहिल्ला ने अपने उत्कृष्ट प्रशासनिक कौशल, कार्यनिष्ठा एवं पशुपालकों के हित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों से विभाग में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी पदोन्नति को पशुपालन विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस पदोन्नति पर वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने दूरभाष पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. रोहिल्ला के नेतृत्व में विभाग नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा पशुपालकों को और अधिक प्रभावी सेवाएं मिलेंगी। डॉ. राजीव कुमार की इस उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।





गई। बाद में महेंद्र को घायल अवस्था में सड़क किनारे छोड़कर आरोपी पंजार ह भाग गए। घायल महेंद्र को उपचार के लिए पहले नगरिक अस्पताल देहाना और बाद में अग्रोहा मेडिकल कौलेज रेफर किया गया। शिकायत के आधार पर अभियोगपत्र संख्या 127, दिनांक 17.07.2026, धारा 115(2), 140(8), 333, 3(5) भारतीय दण्ड संहिता (बीएनएस) के तहत धाना सड़क देहाना में मामला दर्ज किया गया था। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को काबू कर घटना में प्रयुक्त कारवां भी बरामद कर ली। आरोपियों को मजदूरी न्यायालय में पेश किया जाएगा।



जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की।

एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवरस क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप

में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकर्स ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।



बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुट्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और आक्रामक खेलने के तरीके ने उन्हें इस फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में

शामिल कर दिया है। 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सिर्फ पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी का स्ट्राइक रेट बटलर के 115.20 से ज्यादा है। वह 2500 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका औसत 36 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा है। इसके अलावा उनके 184 ODI छक्के एक्टिव खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं; उनसे आगे सिर्फ भारत के रोहित शर्मा हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए बटलर ने कहा कि इससे उन्हें उस उत्साह की याद आ गई जो उन्होंने पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते समय महसूस किया था। बटलर ने इंस्टाग्राम पर इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'हां, बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

● जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट



सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वॉंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की

डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एक्ल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वॉंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरु से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बहुत हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रस्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जुली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रौतिका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21-11, 21-10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव-तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकी, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को



पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटायी। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर-19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी।

वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की होजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

मानव-मानुष बने दुनिया की नंबर-2 पुरुष युगल जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस को बड़ी उपलब्धि मिली है। स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर और मानुष शाह ने इतिहास रचते हुए इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन की नवीनतम पुरुष युगल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही वे सीनियर विश्व रैंकिंग में इतनी ऊंची रैंक हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी या जोड़ी बन गए हैं। मानव ठक्कर और मानुष शाह पिछले सप्ताह पहली बार करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-3 रैंकिंग पर पहुंचे थे। अब उन्होंने एक और स्थान की छलांग लगाकर नया इतिहास रच दिया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड अर्चना कामथ और मुनिका बत्रा के नाम था, जिन्होंने 2022 में महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर-4 स्थान हासिल किया था।

चीन नंबर-1, भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर

ताजा रैंकिंग में चीन की लिन शिझोंग और हुआंग यूशेंग की जोड़ी 5160 अंकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फ्रांस के स्टार एलेक्सिस और फेलिक्स लेब्रुन की जोड़ी दूसरे से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गईं, जिसका फायदा भारतीय जोड़ी को मिला। मानव और मानुष की यह उपलब्धि पिछले एक साल के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी सीक्रेट में लगातार प्रभाषशाली प्रदर्शन किया है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब जापान के आइवी-नागोया में होने वाले 2026 एशियन गेम्स में तीन महीने से भी कम समय बचा है। मानव और मानुष से इस बार पुरुष युगल में भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें होंगी। 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में दोनों की जोड़ी क्वाटर फाइनल में दक्षिण कोरिया की तत्कालीन विश्व नंबर-1 जोड़ी से हारकर पदक से चूक गई थी। मानव ठक्कर और मानुष शाह की यह उपलब्धि साबित करती है कि भारतीय टेबल टेनिस अब विश्व स्तर पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।



सेमीफाइनल में खास जर्सी पहनना चाहता है अर्जेंटीना

लंदन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले अर्जेंटीना ने एक खास अनुरोध कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी पारंपरिक आसमानी-सफेद जर्सी की जगह नेवी ब्लू (गहरे नीले रंग) की वैकल्पिक जर्सी पहनने की अनुमति फीफा से मांगी है। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का अंधविश्वास भी जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने फीफा से सेमीफाइनल में नेवी ब्लू अवे किट पहनने की अनुमति मांगी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने इस जर्सी का इस्तेमाल केवल ग्रुप स्टेज में जॉर्डन के खिलाफ किया था। इसके बाद टीम सभी मुकाबलों में अपनी पारंपरिक होम जर्सी में उतरी। फीफा हर मुकाबले से पहले दोनों टीमों की जर्सी का अंतिम फैसला करता है ताकि खिलाड़ियों, रेफरी और दर्शकों को रंगों में कोई भ्रम न हो।

इंग्लैंड के खिलाफ इस जर्सी का खास इतिहास

नेवी ब्लू जर्सी का इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए खास इतिहास रहा है। 1986 वर्ल्ड कप क्वाटरफाइनल में डिएगो माराडोना ने इसी जर्सी में 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेचुरी' की मदद से टीम को 2-1 की यादगार जीत दिलाई थी। इसके बाद 1998 वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ-16 में भी अर्जेंटीना ने इसी जर्सी में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि 2002 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने अपनी पारंपरिक होम जर्सी पहनी और इंग्लैंड से 0-1 से हार गया था। इसी वजह से स्थानीय मीडिया इसे टीम का 'लकी किट' भी बता रहा है।

इंग्लैंड पारंपरिक सफेद जर्सी में उतरेगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी पारंपरिक ऑल-व्हाइट होम किट में मैदान पर उतरेगा। वहीं अर्जेंटीना की नेवी ब्लू जर्सी पहनने की मांग पर अंतिम फैसला फीफा के किट नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

फाइनल का टिकट दांव पर

सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के सामने फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका होगा। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर खिताब बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने के सपने को पूरा करने के इरादे से मैदान में उतरेगा। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि क्या फीफा अर्जेंटीना को उसकी 'लकी' नेवी ब्लू जर्सी पहनने की अनुमति देता है।

● फीफा से मांगी खास जर्सी पहनने की अनुमति



मौलाना फजलुर रहमान

पास रुकी, तो उसी दिशा में आ रहे एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हिदायत ने कहा, 'टक्कर से पिकअप दूसरी लेन में चली गई, जहां उसे एक और ट्रक ने टक्कर मार दी। इस जबरदस्त टक्कर से पिकअप ट्रक में सवार एक दर्जन से ज्यादा लोग हाईवे पर जा गिरे।'

